

होली में रंग उड़ाने के साथ कमा सकते हैं अच्छा पैसा

निवेश मंत्र

बिजनेस डेस्क

इस दिनों देशभर में चुनाव के साथ होली का भी खुमार छाया हुआ है। हर तरफ होली की रंगत छाई हुई है। होली अब बहुत नजदीक है। चारों ओर रंगों के इस त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं। आप भी इस त्योहार में अपनी खुशियों को डबल कर सकते हैं, यानी रंग उड़ाने के साथ अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। बस जरूरत है छोटी सी शुरूआत करने की। त्योहार मनाने के साथ-साथ अगर कमाई भी हो जाए तो आपकी खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसलिए आप भी होली को ध्यान में रखते कुछ बिजनेस आईडिया पर काम करें और अच्छा पैसा कमाएं। रंग और गुलाल, पिचकारी और खिलौनों का बिजनेस, मिठाई-नमकीन का सामान, पूजा सामग्री, दूर-ट्रेवल, होली इवेंट एक्सपीरियंस, होली हैमर्स व गिफ्ट्स और खाने पीने की सामग्री समेत कई बिजनेस आपको कुछ ही दिनों में अच्छा पैसा कमाकर दे सकते हैं। यह आपकी खुशियों को दोगुना-तिगुना कर देंगे। इसमें 1-2 काम तो आप होली के बाद भी जारी रख कर या इसे नियमित में तब्दील कर सकते हैं और बाद में इनका विस्तार भी कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ बिजनेस आईडियाज जो आपको करवा सकते हैं बढ़िया कमाई।

- कई बिजनेस कुछ ही दिन में करा सकते हैं जबरदस्त कमाई
- खाने-पीने की चीजें बेचकर भी हो सकते हैं मालामाल
- हर्बल रंग बेचकर भी आप कमा सकते हैं बढ़िया पैसा
- कर सकते हैं गिफ्ट और हैमर्स का भी बिजनेस कर सकते हैं



रंगों का व्यापार

होली में रंग न हो ऐसा हो ही नहीं सकता है। रंगों को लेकर लोगों के बीच आजकल काफी जागरूकता देखने को मिल रही है। वह सिंथेटिक और हार्ड कलर की बजाय हर्बल कलर्स को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। आप हर्बल कलर बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं। आप इन्हें घर पर खुद ही बना सकते हैं। हर्बल कलर बनाने के लिए आपको गुलाब के पत्ते, इंडिगो, मेहंदी, हल्दी, दही आदि की जरूरत होगी। आप यूट्यूब से भी हर्बल कलर बनाना सीख सकते हैं। बड़ों से ज्यादा बच्चे रंग, गुब्बारा और गुलाल को खरीदारी करते हैं। होली पर बच्चे से लेकर बूढ़े तक को रंग, अबीर, गुलाल की तो जरूरत होती ही है। ऐसे में आप रंग बेचने का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप घर से ऑर्गेनिक रंग बनाकर भी बेच सकते हैं। बाजार में बिकने वाले कैमिकल कलर से बचाव के लिए अब लोग ऑर्गेनिक कलर पर ध्यान देने लगे हैं। ऐसे में आप घर से ही इस बिजनेस को शुरू कर सकते हैं। इस बिजनेस को छोटे स्तर पर महज 3 से 4 हजार की कीमत पर शुरू कर सकते हैं और अच्छे दामों पर बेच सकते हैं।

खाने-पीने की सामग्री

होली के दिन घरों में खूब पकवान बनाए जाते हैं। मिठाई-नमकीन की तो खुब डिमांड होती है। घरों में गुजिया, मट्ठी जैसे कई स्नेक्स बनाए जाते हैं। ऐसे में आप इन्हें बनाने का कच्चा माल भी बेच सकते हैं, या इन्हें बनाकर भी बेच सकते हैं। होली के दिन मेहमानों का स्वागत करने के लिए अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां भी तैयार की जाती हैं। आप तरह-तरह की मिठाइयां बनाकर भी बेच सकते हैं। अपना माल घर ही में तैयार कर लें या करीब बुलाकर तैयार करा लें। इसके अलावा होली के मौके पर आम तौर पर चलने वाले चावल के पापड़, आलू के पापड़, मैदे के पापड़, साबुदाना के पापड़, चिप्स, गुजिया बनाकर कच्चे ही बेचे जा सकते हैं। होली के समय पर इन सामानों के खरीदार काफी होते हैं, ऐसे में आप लोगों को इन जरूरतों को पूरा करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

होली हैमर्स व गिफ्ट्स

होली पर लोग एक-दूसरे को गिफ्ट देना भी पसंद कर सकते हैं। आप गिफ्ट व हैमर्स बनाकर पैसा बना सकते हैं। यह ऐसा बिजनेस है जिसे आप होली के बाद भी जारी रख सकते हैं। अगर त्योहारों का देश है और यहां हमेशा कोई न कोई त्योहार मनाया ही जाता है। त्योहार न भी हो तो भी एलिवांसिरी व बर्थडे जैसे सेलिब्रेशन में भी इनकी जरूरत पड़ती ही है।

पूजा सामग्री

होली से एक दिन पहले होलिका दहन के दिन पूजा भी की जाती है। ऐसे में पूजा के सामान की हर किसी को जरूरत होती है। आप होली से पहले पूजा सामग्री बेचने का भी बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आप धूप, अगरबत्ती, बताशे, फूल, माला इत्यादि को रख कर अच्छे दाम पर ग्राहकों को बेच सकते हैं। यह बिजनेस केवल होली में ही नहीं बल्कि साल भर चल सकता है। आप इससे अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस दिन बच्चों के लिए फलों, बिस्किट, चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री की माला बनावी जाती है। ऐसे में आप बच्चों की माला बनाने का काम भी कर सकते हैं।

दूर-ट्रेवल

अक्सर लोग काम की तलाश में दूसरे शहर में रहते हैं। होली के मौके पर हर कोई अपने घर आना चाहता है, लेकिन टिकट की मारामारी के बीच उन्हें घर जाने के लिए टिकट नहीं मिलती। ऐसे में आप ट्रेवल एजेंट के रूप में टिकट की बुकिंग कर सकते हैं। बस आपके पास प्रिंटर, लैपटॉप और वाइ-फाई कनेक्शन होना चाहिए। होली के मौके पर कई लोगों को ऑफिस से जल्दी छुट्टी भी नहीं मिल पाती। इसलिए वो पहले से टिकट बुक नहीं करा पाते। इसलिए आप उनकी टिकट बुक करने में मदद कर सकते हैं। कई लोग टिकट पाने के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च करने को भी तैयार हो जाते हैं। आप इस बिजनेस के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। होली के मौके पर न केवल आप इस त्योहार का पूरा आनंद ले सकते हैं, बल्कि आप इस त्योहार को अवसर के रूप में भुना कर अच्छी कमाई भी कर सकते हैं।



एसआईपी में 10% का नियम जल्द बना सकता है करोड़पति

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करना चाहते हैं या कर रहे हैं तो एक बात गांठ बांध लें फिर आपको करोड़पति बनाने से कोई नहीं रोक सकता है। बस जरूरी है तय लक्ष्य के साथ जल्द और सधी हुई शुरूआत करने की। फिर देखना आप आसानी से बिना किसी परेशानी के अपने सपने पूरे कर सकते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ बड़े निवेश से ही बड़ा फंड तैयार होता है तो आपको इस सोच को बदल लेना चाहिए। आज के समय में ऐसी तमाम स्कैमिंस हैं, जिसमें आप अगर छोटे अमाउंट से भी शुरूआत करेंगे तो बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी उभरते से एक है। इसके के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश किया जाता है। इस स्कैमिंस में अगर आप लंबे समय के लिए अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकते हैं। एसआईपी के जरिए अगर आप फॉर्मूला अच्छे से समझ लेना चाहिए। अगर आप एस फॉर्मूले के साथ सिर्फ 3000 रुपये की भी मासिक एसआईपी शुरू करें तो कुछ ही सालों में आपका करोड़पति बनना तय है। सिर्फ आप इन नियम को अपने पोर्टफोलियो में उतार लें इसके बाद आंखें बंद करके भी निवेश करेंगे तो आपको अमीर बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। तो आइये इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं कि आखिर वह 10 फीसदी वाला फॉर्मूला क्या है जो आपको पूंजीपति यानी करोड़पति बनाएगा।

व्या 10 प्रतिशत वाला फॉर्मूला

अब हम आपको बताते हैं 10% वाला फॉर्मूला। इसके तहत आप जितने रुपये से भी एसआईपी में निवेश शुरू करते हैं, उसमें हर साल 10 प्रतिशत अमाउंट बढ़ाते जाना है। मान लीजिए कि आप 3,000 रुपये महीने की एसआईपी शुरू करते हैं तो एक साल बाद आपको 3,000 में 10 फीसदी के हिसाब से 300 रुपये बढ़ाने होंगे यानी अगले साल आप 3300 रुपये की एसआईपी पूरे एक साल चलाएंगे। इसके अगले साल में 3,300 का 10 फीसदी यानी 330 का अमाउंट इसमें और एड करना है। इस तरह 3,630 रुपये की एसआईपी आपको पूरे एक साल तक चलानी होगी। उसके अगले साल 3,630 का 10 फीसदी अमाउंट उसी एसआईपी में बढ़ाना है। इस तरह आपको हर साल निवेश की रकम का 10 फीसदी उसमें बढ़ाते रहना है।

3000 रुपये से भी शुरू करेंगे निवेश तो होंगे मालामाल

छोटे से निवेश भी आपको मिल सकता है बढ़िया रिटर्न, अनुशासित होकर निवेश करें तो काफी बड़ा फंड जमा कर सकेंगे

एसआईपी के जरिए आप आसानी से करोड़पति बन सकते हैं

अब समझिए कैसे बनेंगे करोड़पति

पहला नियम: 10 फीसदी फॉर्मूले के हिसाब से आपने अगर 25 साल की उम्र पर 3,000 रुपये को एसआईपी में निवेश करना शुरू किया है और इस निवेश को हर साल 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ाते हुए लगातार 25 से 30 साल तक जारी रखा तो आप करोड़पति बन जायेंगे। दरअसल, एसआईपी में औसतन रिटर्न 12 फीसदी का माना जाता है। ऐसे में अगर आप इस निवेश को 10 प्रतिशत के फॉर्मूले के साथ 25 सालों तक जारी रखते हैं तो 25 सालों में आपका कुल निवेश 35,40,494 रुपये का होगा। 12 फीसदी के हिसाब से इस पर 92,86,144 रुपये ब्याज मिलेगा और मैथ्योरिटी पर आप 1,28,26,638 रुपये के मालिक होंगे।

दूसरा नियम: अगर आप इस निवेश को लगातार 30 सालों तक जारी रखते हैं तो आप 30 सालों में 59,21,785 रुपये इन्वेस्ट करेंगे। 12 फीसदी के हिसाब से ब्याज के तौर पर आपको 2,05,80,586 रुपये मिलेंगे और मैथ्योरिटी पर आप 2,65,02,371 रुपये के मालिक बन जायेंगे। इस तरह आप सिर्फ 3,000 रुपये से एसआईपी में निवेश शुरू करके 25 से 30 सालों में खुद को करोड़पति बना सकते हैं।

होली इवेंट

आप एक होली इवेंट आयोजित कर लोगों को इस त्योहार को बड़े स्तर पर मनाने का आनंद दे सकते हैं। इसके लिए टिकट रख सकते हैं। ऐसे इवेंट में सबसे जरूरी होगा कि आप एक सुरक्षित माहौल मुहैया कराएं। महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। आप यहां खाने-पीने की सामग्री, पानी, रंग आदि की व्यवस्था कर अलग-अलग इलाकों में रखने में वाले लोगों को एक साथ ला सकते हैं। वैसे भी होली मिलने शिकने शुरू होने और एक दूसरे को मले लगाकर रंग नानाने का त्योहार है। त्योहार पर ऐसे कार्यक्रम से आपको भी अच्छी कमाई होगी और बच्चे, बूढ़े और जवान एक सुरक्षित माहौल में होली को त्योहार मनाकर रोमांचित और खुश होंगे।

- प्योर टर्म, एंडोमेंट, यूएलआईपी, मनीबैक या फिर पेंशन प्लान
- कौन सी बीमा पॉलिसी आपके लिए रहेगी बेस्ट एक बार जांच लें
- इसके बाद ही बीमा पॉलिसी खरीदने को बनाएं अपनी रणनीति

ध्यान दें कौन सी लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने में है समझदारी

जानकारी

बिजनेस डेस्क

बहुत सफल नहीं होता

क्या आप अपने लिए एक सही और सटीक लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीदने का फैसला सिर्फ इसलिए नहीं कर पा रहे, क्योंकि बाजार में मौजूद जीवन बीमा प्रोडक्ट्स की भारी भीड़ ने आपको कनफ्यूज कर दिया है? अगर आपको जवाब हां में है, तो ऐसे असमंजस में फंसने वाले आप अकेले व्यक्ति नहीं हैं। मनीबैक पॉलिसी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी), पेंशन प्लान और भी न जाने क्या-क्या! दरअसल लाइफ इंश्योरेंस स्कैमिंस के इतने सारे ऑप्शन मार्केट में मिल रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति को फैसला लेने में कनफ्यूजन हो सकता है। हम यहां इसी उलझन को दूर करने की इस रिपोर्ट के जरिये कोशिश करेंगे।

लाइफ इंश्योरेंस क्यों जरूरी

सबसे पहली बात तो यह है कि किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए लाइफ इंश्योरेंस प्लान लेना बेहद जरूरी है, जो अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा हो या जिस पर बहुत से लोग आर्थिक तौर पर निर्भर हों। अगर ऐसे व्यक्ति के साथ कोई हादसा हो जाए, तो उनके परिवार के लिए जीवन बीमा पॉलिसी एक बड़ा सहारा साबित हो सकती है। इसलिए तमाम कनफ्यूजन को दूर करके जल्द से जल्द लाइफ इंश्योरेंस प्लान खरीद लेने में ही समझदारी है। अब बात करते हैं कि ज्यादातर लोगों के लिए कौन सा प्लान लेना आमतौर पर सही रहता है।

निवेश कितना सही

एंडोमेंट प्लान हो, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) हो या मनीबैक पॉलिसी या फिर पेंशन प्लान। इन सभी में इंश्योरेंस और इन्वेस्टमेंट का कंबिनेशन देखने को मिलता है। इन सबको मिलाकर आप लाइफ इंश्योरेंस प्लान भी कर सकते हैं। ऐसे प्लान को बेचते समय आम तौर पर यही कहा जाता है कि इनमें आपको बीमा और निवेश, दोनों का लाभ मिलता है। वैधान्तरिक तौर पर तो यह बात सही है, लेकिन व्यवहारिक रूप से ऐसा होता नहीं है। इसकी वजह यह है कि लाइफ इंश्योरेंस प्लान आमतौर पर महने पड़ने हैं यानी ऊंचा सम-इंश्योरेंस चाहिए तो प्रीमियम काफी अधिक हो जाता है, जिसके चलते इनके जरिये लोग आम तौर पर लाइफ इंश्योरेंस प्लान नहीं खरीदते और फिर प्रीमियम में होने वाली बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश कर देते हैं।

इंश्योरेंस और निवेश को अलग-अलग रखना बेहतर

अगर आप अपने लाइफ इंश्योरेंस और निवेश के लक्ष्य को अलग-अलग रखें तो दोनों ही मामलों में बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर आप कम प्रीमियम पर पर्याप्त कवरेज ले पाएंगे और निवेश पर बेहतर रिटर्न भी कमा लेंगे। ऐसा करने का सबसे सीधा तरीका यही है कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान पर भरोसा करें। वहीं, निवेश के लिए अपने रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से पीपीएफ, बैंक एफडी से लेकर म्यूचुअल फंड एसआईपी तक किसी और विकल्प का चुनाव कर सकते हैं। सबसे बेहतर रणनीति तो यही होगी कि आप जीवन बीमा के लिए प्योर टर्म प्लान खरीदें और फिर प्रीमियम में होने वाली बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश कर दें।

एनएफ में क्या होता है एनएवी, आखिर कैसे किया जाता तय

बिजनेस डेस्क। सभी स्कैमिंस के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिविड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) पर अलॉट की जाती है। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है। म्यूचुअल फंड स्कैमिंस का प्रदर्शन उसकी प्रति यूनिट एनएवी द्वारा दर्शाया जाता है। प्रति यूनिट एनएवी किसी स्कैमिंस की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य को किसी निश्चित तारीख पर योजना की यूनिट्स की कुल संख्या से विभाजित किया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर किसी म्यूचुअल फंड योजना की प्रतिभूतियों का बाजार मूल्य 200 लाख रुपये है और म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को 10 रुपये की 10 लाख यूनिट जारी की हैं तो फंड की प्रति यूनिट एनएवी 20 रुपये (200लाख/10 लाख) होगा। किसी म्यूचुअल फंड का एनएवी प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य की तरह दिन-प्रतिदिन के आधार पर बदलता है।

आखिर में एनएवी घोषित होती है

शेयरों के उलट, जहां कीमत शेयर बाजार द्वारा संचालित होती है और मिनेट-दर-मिनेट बदलती रहती है, वहीं म्यूचुअल फंड विनियमों के मुताबिक, बाजार बंद होने के बाद हर ट्रेडिंग दिन के आखिर में म्यूचुअल फंड योजनाओं की एनएवी घोषित की जाती है। सभी स्कैमिंस के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं की यूनिट्स (लिविड और ओवरनाइट फंड को छोड़कर) सिर्फ संभावित एनएवी पर अलॉट की जाती है। म्यूचुअल फंड कट-ऑफ समय के बाद भी आवेदन स्वीकार कर सकता है, लेकिन आपको अगले कारोबारी दिन का एनएवी मिलेगा।

व्या है नेट एसेट वैल्यू फॉर्मूला

एसबीआई सिचोरिटीज के मुताबिक, नेट एसेट मूल्य (एनएवी) का कैलकुलेशन निम्न फॉर्मूला के तहत निकाला जा सकता है:-

एसेट का शुद्ध मूल्य = कुल संपत्ति - कुल देनदारियां / फंड की कुल बकाया यूनिट्स नेट एसेट वैल्यू के फॉर्मूला को समझने के बाद, अगला कदम नेट एसेट वैल्यू में परिवर्तनों को समझना जरूरी है।

मान लीजिए कि आपने म्यूचुअल फंड स्कैमिंस के एनएफओ (नेट फंड ऑफरिंग) में 10 रुपये की एनएवी पर निवेश किया है। 3 महीने के बाद, एनएवी 11.22 रुपये तक बढ़ सकती है। तो उस स्थिति में, म्यूचुअल फंड योजना ने 12.2% = (11.22 - 10) / 10 X 100 का रिटर्न जेनरेट किया है।

निवेशकों के लिए एनएवी क्यों है प्रासंगिक : नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) एक निश्चित अवधि में धन प्रवाह की दशाता है। जैसे अगर किसी फंड का एनएवी 1 साल में 100 रुपये से बढ़कर 118 रुपये हो गया है, तो इसे एक वर्ष में निवेश पर 18% रिटर्न के रूप में समझा जा सकता है। शुद्ध संपत्ति मूल्य तुलना की अनुमति देता है। हालांकि आप सीधे एनएवी पर तुलना नहीं करते हैं, आप एनएवी पर उपलब्ध रिटर्न से तुलना कर सकते हैं। इससे एक कैटेगरी के भीतर और विभिन्न श्रेणियों में फंड के चयन में मदद मिलती है। नेट एसेट वैल्यू फंड द्वारा अपने निवेशकों को कम्प्यूटेशन का एक महत्वपूर्ण साधन है कि फंड कैसा प्रदर्शन कर रहा है क्योंकि पोर्टफोलियो का खुलासा केवल मासिक आधार पर होता है।

एडवांस वॉर्निंग सिस्टम : एनएवी निवेशकों के लिए एडवांस वॉर्निंग सिस्टम के रूप में काम कर सकता है। जैसे अगर किसी इक्टिविटी फंड के एनएवी में बढ़ोतरी या एनएवी में गिरावट सूचकांक के साथ तालमेल से बाहर है, तो निवेशकों के लिए करीब से देखने के लिए कुछ तो है। नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) की गणना प्रतिदिन की जाती है और यह निवेशकों को उनके फंड के प्रदर्शन का आकलन करने में सहायता करती है।

वचन

कई तरीकों से निवेश कर तैयार कर सकते हैं मोटा पैसा, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

सही समय पर योजना बनाएं और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनें

लक्ष्य

बिजनेस डेस्क

अक्सर अभिभवकों को अपने बच्चों के भविष्य को लेकर हमेशा की चिंता रहती है। जैसे बच्चों के भविष्य के लिए कैसे बेहतर से बेहतर जो फाइनेंशियल प्लानिंग की जाए। जिससे बच्चों के भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित किया जा सके और खुद भी आर्थिक रूप से सुरक्षित बन सकें। अगर आप भी अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो फिर इसके लिए आपको सही समय पर सही योजना बनाने की जरूरत होती है। निवेश के लिए एक बेहतर योजना तैयार कर जल्द से जल्द निवेश शुरू कर दें। जिससे बच्चे को भविष्य में शिक्षा, स्टार्टअप के लिए पैसे की आवश्यकता पड़े, तो फिर उन बड़े खर्चों को आसानी से पूरा किया जा सके। अभिभावकों को बच्चों के लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। तभी समय रहते बच्चों की शिक्षा या बिजनेस शुरू करवाने के लिए आपके पास अच्छा पैसा होगा। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे पांच ऐसे टिप्स जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे और आपके बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित करेंगे। इसटिप्स से आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए बेहतर फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकते हैं।

पहला

जल्द निवेश शुरू करें

जब बच्चा जन्म लेता है। उस समय ही माता-पिता को बच्चे के भविष्य के लिए पैसे की बचत करनी शुरू कर देनी चाहिए। ये तरीका निवेश का एक काफी शानदार तरीका माना जाता है। अगर इस तरह माता-पिता बच्चे के भविष्य के लिए निवेश शुरू करते हैं, तो फिर इससे निवेश के बढ़ाने के लिए उनके पास और अधिक वक्त मिल सकता है। साथ ही जो पोर्टफोलियो है, उसमें इक्टिविटी म्यूचुअल फंड को भी जोड़ सकते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। अगर आप इस तरीके को निवेश में आजमाते हैं, तो फिर ये आपको जो बेहतर रिटर्न है उसको हासिल करने में काफी मदद कर सकते हैं। इससे आपको कमी दिक्कत नहीं होगी और आप आसानी से बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक प्लानिंग कर सकेंगे।

दूसरा : लक्ष्य तय करें

आपका जो भी निवेश है उसको प्रभावी बनाने का एक बेहतर तरीका है। अगर आप निवेश कर रहे हैं, तो फिर आप पहले तय कर लें कि आप जो निवेश कर रहे हैं उसको किस खर्च के लिए बचा रहे हैं। साथ ही आप अपने शेअर और लॉन्ग टर्म लक्ष्य हैं उसके हिसाब से पैसे को कहीं निवेश करें।



तीसरा : पोर्टफोलियो में विविधता

निवेश करते समय ध्यान रखें कि आपके पोर्टफोलियो में विविधता हो। किसी एक ही एसेट्स पर भरोसा न करें। निवेश में विविधता लाएं। यह आपके रिटर्न में एक बहुत बड़ा अंतर ला सकता है, क्योंकि देखा गया है कि जो हर वक्त जो एसेट क्लास है। वो अलग तरीकों से काम करती है। अगर हम इसको उदाहरण के हिसाब से समझें, तो किसी वर्ष में सोना बेहतर रिटर्न देता है, तो फिर कभी इक्टिविटी अच्छा रिटर्न देता है।

चौथा : हेल्थ इंश्योरेंस कवर लें

अपने पोर्टफोलियो में आप निवेश को तो शामिल करेंगे ही। इसके साथ ही आपको अपने पोर्टफोलियो में हेल्थ इंश्योरेंस को भी जरूर ही शामिल करना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद काफी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं। जिन लोगों को इंश्योरेंस के प्रति जो जागरूकता है। वो काफी बड़ी है। हेल्थ इंश्योरेंस से आप खुद को मेडिकली सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी भी बीमारी जैसी आपात स्थिति यह आपके बेहद काम आएगा।

5वां : बच्चों को दें फाइनेंशियल एजुकेशन

अगर आप अपने बच्चों का जो भविष्य है उसको बेहतर और अच्छा बना चाहते हैं, तो फिर आपको अपने बच्चों को फाइनेंशियल एजुकेशन भी देनी चाहिए। उन्हें बचत और निवेश का महत्व बताया जाना चाहिए, ताकि वे भी शुरूआत से ही बचत करें और अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर सकें। अपने बच्चे को सही समय पर पैसे का महत्व समझाएं। अगर आप इन चीजों का ध्यान रखते हैं तो फिर आप अपने बच्चे के भविष्य को बेहतर कर पाएंगे और बच्चा भी आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेगा।

खबर संक्षेप

पालुवास स्कूल में मनाया शहीदी दिवस

भिवानी। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास में शहीदी दिवस मनाया गया। प्राचार्य ने भगत सिंह एराजगुरु और सुखदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और वहां उपस्थित सभी शिक्षकों ने पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। दोपहर को विद्यालय में शिक्षकों के द्वारा होली उत्सव मनाया गया। शिक्षकों ने एक दूसरे को गुलाल लगाया और बधाई दी।

लोगों को मतदान के लिए किया प्रोत्साहित

बाढ़ड़ा। डीसी मंदीप कौर के निर्देश पर स्वीप टीम शनिवार को बाढ़ड़ा उपमंडल के गांव श्यामकलां व डांडमा में पहुंची। जहां टीम सदस्यों ने मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। टीम सदस्यों ने कहा कि मतदान हर एक बालिंग भारतवासी का संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार है। हमें इसका प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

परमात्मा को जानकर जीवन को सफल बनाएं

भिवानी। रामनगर स्थित पंजाबी कम्प्यूटि सेंटर में भव्य निरंकरा संत समागम का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता दिल्ली से पधारें ज्ञान प्रचारक महान संत हेमराज शर्मा ने की। संत हेमराज शर्मा ने कहा कि जीवन को सफल बनाने के लिए परमात्मा को जानना जरूरी है। परमात्मा को जानने के बाद और बाकी नहीं रह जाता।

आध्यात्मिक मूल्यों से घर को मंदिर जैसा बनाएं

चरखी दादरी। परमात्म ज्ञान के रंग व योग अग्नि से व्यर्थ और नकारात्मक बातों को जलाकर अपने गृहस्थ जीवन को आध्यात्मिक मूल्यों से सजाकर घर को मंदिर की तरह बनाएं। यह उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय की झोझू कलां शाखा के तत्वावधान में झोझू खुर्द व कलियाणा में होली मिलन एवं पारिवारिक मूल्य विषय पर आयोजित कार्यक्रम लोगों को संबोधित करते ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने व्यक्त किए।

अपने नकारात्मक चिंतन को करें समाप्त: बीके

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय रुद्रा कॉलोनी में होली महोत्सव पर होली के रंग, प्रभु के संग कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं भी कराई गईं। बीके रजनी बहन ने होली का आध्यात्मिक रहस्य बताया। उन्होंने कहा कि हम सब आत्माएं अपने अंदर के कमी कमजोरी, अवगुण, नकारात्मक चिंतन को समाप्त करके अपने अंदर दिव्यता और रूहानियत का प्रभाव बनाएं रखें

शांतिपूर्वक तरीके से पर्व मनाएं: डीएसपी

भिवानी। डीएसपी आर्यन चौधरी ने लोगों से होली के पर्व को बड़े ही शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं जाने की अपील की है। डीएसपी ने पुलिस के अधिकारियों को भी होली के पर्व पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि होली पर हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोहारों पर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी। डीएसपी आर्यन चौधरी ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि होली पर किसी तरह का हुड़दंग न करें।

बुजुर्ग मतदाताओं को मिलेगी सुविधाएं

चरखी दादरी। निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान दिव्यांग तथा 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर विशेष व्यवस्था होगी। ताकि उन्हें वोट डालने में कोई असुविधा न हो। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मन्दीप कौर ने कहा कि दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पोलिंग स्टेशनों पर रैप, व्हील चोर, लाने व ले जाने की व्यवस्था, मेडिकल किट इत्यादि के अलावा उनके साथ स्वयं सेवकों को तैनात किया जाए।

वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने परिणाम किए घोषित

निरंतर प्रयास ही सफलता प्राप्ति की एकमात्र सीढ़ी : शिवरतन

लघु नाटिका से महाभारत काल की गुरु. शिष्य परंपरा का जीवंत मंचन कर विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि न्यूज » भिवानी

वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट एवं वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी के अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता ने कहा कि निरंतर प्रयास ही सफलता प्राप्ति की सीढ़ी है जिसे चरितार्थ करते हुए वैश्य मॉडल स्कूल के विद्यार्थी हर क्षेत्र में विद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। वे विद्यालय के सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी विभाग के वार्षिक परीक्षा परिणाम समारोह के अवसर पर अभिभावकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यहां से शिक्षित होने वाले विद्यार्थी न केवल राष्ट्रीय स्तर पर वरन् अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम लहरा रहे हैं। वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की कक्षा छठी से नौवीं व 11वीं का परीक्षा



भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल संचालक कमेटी के सदस्य व बच्चे।

फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणाम की बधाई दी

उन्होंने विद्यालय को उत्कृष्ट की संज्ञा देते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों का न केवल शैक्षिक अपितु खेलकूद, योग, नृत्य, संगीत आदि गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास किया जाता है। पवन अववाल ने इस अवसर को गौरव का क्षण बताया व सभी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम की बधाई दी। विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा देने हेतु सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास बनाने का आश्वासन दिया। विद्यालय प्रधानाचार्या कमला गुरेजा ने सभी विद्यार्थियों व शिक्षकवृंद की कार्यशैली की सराहना की और विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति का आभार जताया। उन्होंने कहा कि विद्यालय की कुशल व शिक्षाप्रेमी प्रबंधकारिणी समिति के मार्गदर्शन व अथक सहयोग से ही यह सब संभव हो पाया है। उन्होंने सभी उपस्थित महानुभावों व अभिभावकों का विद्यालय में पधारें पर आभार व्यक्त किया।

देवी की आराधना की। विद्यार्थियों के द्वारा भगवान विष्णु के सभी अवतारों में से श्री कृष्ण के अंश विद्वल जी की महिमा का वर्णन

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

उमंग और उत्साह से भरपूर पंजाब की संस्कृति को झलक लिए विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मंगड़ा नृत्य ने प्रांगण में उपस्थित दर्शकों को थिरकने पर विवश कर दिया। विद्यालय के सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी विभाग में कुल 507 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की। शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 40 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान, 41 विद्यार्थियों ने द्वितीय व 42 विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्षिक परीक्षा परिणाम की पावन बेला का सभी को इंतजार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शिक्षक के साथ-साथ अभिभावकों के कर्तव्यों के बारे में भी बताते हुए कहा कि अभिभावक अपने निरंतर प्रयास से उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर पर पहुंचा सकते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान देने वाले विद्यार्थियों की गुरि गुरि प्रशंसा की। महासचिव डॉ. पवन बुजानीवाला ने कहा कि आज विद्यालय के परीक्षा परिणाम को देखकर सभी हसित हैं।

मंचन कर विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति के लिए एकाग्र होने व गुरु में विश्वास रखने का संदेश दिया गया।

छात्राओं ने भौगोलिक सर्वेक्षण के लिए गांव दुल्हेड़ी का किया भ्रमण

तोशाम। तोशाम के चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय की स्नातक तृतीय वर्ष की छात्राओं ने भौगोलिक सर्वेक्षण के लिए शनिवार को क्षेत्र के गांव दुल्हेड़ी का भ्रमण कर सामाजिक और आर्थिक सर्वे किया। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने पूरे गांव से प्रश्न-वाली और अनुसूची के माध्यम से जानकारी इकट्ठी की और इसके अलावा दुल्हेड़ी की अरावली की पहाड़ी का फिजिकल सर्वे किया। सर्वे के दौरान छात्राओं ने अपक्षय और अपरदन के कारण पहाड़ी में हुए बदलाव को देखा, जिससे भ्रमण के कारण महाविद्यालय की छात्राओं को अनेक प्रकार का ज्ञान प्राप्त हुआ।

बंसीलाल परिवार ने हमेशा विकास की सोच रखी : मड्डू

■ कांग्रेस नेता परमजीत सिंह मड्डू ने सभा को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज » भिवानी

कांग्रेस नेता परमजीत सिंह मड्डू ने कांग्रेस की पूर्व सांसद श्रुति चौधरी के पक्ष में प्रचार करते हुए यहां अंबेडकर कालोनी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। परमजीत सिंह मड्डू ने कहा कि चौधरी बंसीलाल परिवार ने हमेशा भिवानी के विकास को सोच रखी है। भिवानी-महेन्द्रगढ़ जिला में विकास की अन्य परियोजनाएं किरण चौधरी ने मंत्री रहते हुए तथा श्रुति चौधरी ने सांसद रहते हुए शुरू करावाईं। जिन्हें क्षेत्र की जनता आज भी याद करती है। भिवानी को एनसीआर में शामिल करवाना हो या



भिवानी। एकत्रित लोगों को संबोधित करते कांग्रेसी नेता परमजीत सिंह मड्डू।

भिवानी में मेडिकल कालेज व चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय का निर्माण करवाना हो, भिवानी-महेन्द्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के हर गांव में पेयजल उपलब्ध करवाना हो, महेन्द्रगढ़ में केन्द्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण करवाना

भाजपा ने केवल लोगों को ठगने का काम किया है। पिछले दस साल के दौरान क्षेत्र में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी। उन्होंने लोगों से श्रुति चौधरी के हाथ मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार आने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की घोषणा के अनुरूप डिप्लोमाधारी व स्नातक को एक लाख रुपये वार्षिक की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा अनेक योजनाएं लागू कर आम आदमी को राहत देने का कार्य किया जाएगा।

रइस अवसर पर सूरजभान, सीताराम प्रजापत, अत्तर सिंह, चरण सिंह, दलीप, मणीराम, दयानंद, महिपाल दहिया, भूप सिंह, शिवकुमार दहिया, रोशन, मुकेश मास्टर समेत अनेक लोग मौजूद थे।

हलके का मंत्री होने से बहेगी विकास की गंगा

मंत्री बनने पर पहली बार गांव पहुंचने वाल्मीकि

हरिभूमि न्यूज » बवानीखेड़ा



दीपेश सारसर, जगदम्बा मेहता, मनीष शंकर, निशिकंत पाराशर

बवानी खेड़ा हलके से लगातार दो बार विधायक बने बिसंबर वाल्मीकि को नायब सरकार के मंत्रिमंडल में स्थान मिला और सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय सेवा स्वतंत्रभार सौंपा गया। जिसको लेकर हलके में विकास कार्यों की झड़ी लगने की उम्मीदें लगने लगी हैं। मंत्री बनने पर पहली बार गांव पहुंचने से पहले ही बिसंबर

वाल्मीकि का लोगों ने पलके बिछाकर स्वागत किया और होली से पहले गुलाल लगाकर स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा एक दूसरे को मिठाई खिलाई व गुलाल लगाया व बताया कि अब हलके में विकास कार्य की गति तेज होगी।

छके काम होंगे पूरे

नपा पार्षद प्रतिनिधि एवं भाजपा

वरिष्ठ नेता जगदंबा मेहता ने बताया कि बिसंबर वाल्मीकि के मंत्री बनने से कस्बा में रुके हुए कार्य तेज होंगे। पहले विधायक केवल बवानी खेड़ा की कमान संभालते थे अब नायब सिंह सैनी ने उन पर भरोसा जताया है और अब वे पूरे प्रदेश की जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे।

बंधी उम्मीदें: मनीष शंकर

सामाजिक संस्था से जुड़े

कितना विकास होगा समय बताएगा: दीपेश

कांग्रेस वरिष्ठ नेता एवं एडवोकेट दीपेश सारसर ने बताया कि भाजपा ने जिस नीति के तहत मुख्यमंत्री का बदलाव किया व नए मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है उसके कोई फायदा होने वाला नहीं है। उन्होंने बताया कि केवल कांग्रेस सरकार में ही विकास संभव हुआ है बाकी हलके में कितना विकास हुआ है किसी से छिपा नहीं है। जो लोगों का विकास की उम्मीद है वह वकत ही बताएगा कितना विकास होता है।

अधर में पड़े काम, पूरे जाने कब होंगे: पाराशर

समाजसेवी निशिकंत पाराशर ने बताया कि अधिनश्चल कार्यालय, हेडक्वार्टर सभाकार, बाबा कमाल झील समूचे कार्य अधर में पड़े हैं। सांच दलते ही कस्बा में अंधेरा छा जाता है, करोड़ों की लागत से लगाई गई लाइटें स्वयं अंधेरे में डरती है जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। हुडा में जनजीवन त्रस्त है।

समाजसेवी मनीष शंकर ने बताया कि बिसंबर वाल्मीकि को प्रदेश सरकार में मंत्री बनाया गया है अब पूरे कस्बा को विकास को लेकर काफी उम्मीदें हैं। शहीद गुलाब सिंह

पार्क, बेसहारा पशु, सीवरज समस्या, पीने के पानी की समस्या आदि अनेक समस्याओं के समाधान की आस बनी है। लोगों को मंत्री से बहुत सी उम्मीदें हैं।

गांव में पहुंचने पर मेजर यादव का किया भव्य स्वागत

अचीना के जयवीर को सेना में मिला वीरता पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज » चरखी दादरी

गांव अचीना निवासी मेजर जयवीर यादव को 21 मार्च को उनके अदस्य शारीरिक एवं मानसिक साहस के लिए सेना पदक से सम्मानित किया है। जयवीर की उपलब्धि पर गांव में खुशी का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार मेजर जयवीर 2022 को चुसपैट करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए नियंत्रण रेखा पर तैनात दल का नेतृत्व कर रहे थे। सूचना मिलने पर मेजर जयवीर यादव ने यह सुनिश्चित करने के लिए दोबारा घात लगाई कि आतंकवादी



दादरी। मेजर जयवीर यादव को वीरता पुरस्कार देते सेना अधिकारी।

देर में फंसा हुआ है। आतंकवादी कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए मेजर यादव ने ऐम्बुश पार्टी को अंतिम क्षण तक डटे रहने का



नन्हें-मुन्नें बच्चों ने हर्बल रंगों से खेली होली

चरखी दादरी। शनिवार को गांव मौड़ी के हिन्दू मॉडल स्कूल के नन्हें-मुन्नें बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और खुशियों का झंझर किया। इस अवसर पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए स्कूल के प्राचार्य एवं निदेशक सोमवीर जाखड़ ने बताया कि हिन्दू धर्म में होली प्रमुख त्योहार है, जो हर वर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन कर मनाया जाता है। होलिका दहन हमें सच्चाई का अहंकार पर विजय रूपी पाठ पढ़ाता है। इसके अगले दिन ही रंगों की होली खेली जाती है। हमें इस बार पानी की बतव करके केवल रंगों की ही होली खेलनी चाहिए। उन्होंने सभी बच्चों और स्टॉफ सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी।

बीआर स्कूल के छात्रों का लेग वॉलीबाल में चयन

हरिभूमि न्यूज » चरखी दादरी

बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिरही कलां के विद्यार्थियों ने लेग वॉलीबाल में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चयन करवाया है। यश कॉलेज रुड़की में आयोजित लेग वॉलीबाल राज्य स्तरीय ट्रायल में विद्यालय के तिक पुत्र भायाराम गांव बिरही कलां, हिमांशु पुत्र अर्नला गांव चरखी, दीपक पुत्र प्रकाश गांव चरखी व सतेंद्र पुत्र विजय गांव पण्डवन ने भाग लिया, जिसमें हिमांशु और दीपक का चयन राष्ट्रीय स्तर पर हुआ।

विद्यालय के कोच मोनू ने बताया कि दोनों खिलाड़ी 26 से 31 मार्च को कर्नाटक में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यालय के प्राचार्य सुरेश कुमार ने बताया कि विद्यालय प्रबंध विद्यार्थियों को शिक्षण के साथ साथ खेलों के लिए भी तैयार कर रहा है। विद्यालय के चेरमैन कृष्ण भारद्वाज ने इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और अध्यापकों को बधाई दी और बताया कि इन खिलाड़ियों ने अपने माता पिता, गांव और विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय छात्रों के हित के लिए हमेशा तैयार रहता है। विद्यालय में शिक्षा के साथ साथ खेल पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इस अवसर पर सुजीत वरिष्ठ, प्रवीण, राजेश, सुनील, नरेश, रेनु, कविता, मीनू, किरण, प्रीति आदि सहित समस्त स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

बाजपा ने केवल लोगों को ठगने का काम किया है। पिछले दस साल के दौरान क्षेत्र में विकास के नाम पर एक ईंट भी नहीं लगी। उन्होंने लोगों से श्रुति चौधरी के हाथ मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार आने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की घोषणा के अनुरूप डिप्लोमाधारी व स्नातक को एक लाख रुपये वार्षिक की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा अनेक योजनाएं लागू कर आम आदमी को राहत देने का कार्य किया जाएगा।

रइस अवसर पर सूरजभान, सीताराम प्रजापत, अत्तर सिंह, चरण सिंह, दलीप, मणीराम, दयानंद, महिपाल दहिया, भूप सिंह, शिवकुमार दहिया, रोशन, मुकेश मास्टर समेत अनेक लोग मौजूद थे।



एमडी एकेडमी ऑफ साइंस ने शुरू किए नए कोर्स

चरखी दादरी। झोझू खुर्द स्थित एमडी एकेडमी ऑफ साइंस में आयोजित स्कालरशिप टेस्ट के दौरान क्षेत्र दर्जन स्कूलों से सैकड़ों विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। परीक्षा को कक्षा चार से दस तक के लिए आयोजित किया, जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहने वाले बच्चों को निदेशक सुरेश सांगवान ने नकद पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। प्रथम को 5100, द्वितीय के 2100 से व तृतीय को 1100 बतौर पुरस्कार भेंट किए। प्रत्येक कक्षा में पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहने वाले बच्चों को पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया। अभिभावकों ने एकेडमी के प्रयास की सराहना की। विजेताओं में अर्जुन, हिमांशु, भाविका, अंश, विवेक, नितिन, निदेश व निशंत सहित अन्य शामिल रहे। निदेशक सुरेश सांगवान ने कहा कि एकेडमी ने इस वर्ष से कक्षा चौथी व पांचवी के लिए नवोदय, मिल्ट्री स्कूल व आर आईएससी की विशेष कोरिग, छठी, सातवीं व आठवीं से नीट तथा आईआईटी, जेईई के फाउंडेशन बैच के लिए पहली बार कक्षाएं अरंभ की गई है।

बाक्सिंग, स्वीमिंग, हॉकी व वॉलीबॉल में रुचि

वामीणों ने बताया कि मेजर जयवीर का जन्म 29 दिसंबर 1989 को मंगल सिंह यादव के घर हुआ, इनकी आरंभिक एजुकेशन गांव के स्कूल में हुई। इनका इंडियन आर्मी में जाने का शोक था, उसे पूरा करने के लिए इन्होंने कक्षा 6 से 12 तक सैनिक स्कूल कुंजपुरा कर्नाल से पूरी हुई। इनकी बाक्सिंग, स्वीमिंग, हॉकी और वॉलीबॉल में काफी रुचि है। वर्ष 2012 में इंडियन आर्मी में मिला कमीशन मेजर जयवीर ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स आईएफएम पूरा से किया और वर्ष 2012 में शॉर्ट सर्विस कमीशन द्वारा इंडियन आर्मी में कमीशन लिया। इनकी ट्रेनिंग ओटीए चेन्नई में हुई। उसके बाद उन्होंने पैरा कमांडो सेविकल ग्लोेशिपर चीन बॉर्डर आर आर राजोरी यूएसए की शांति मिशन के लिए चुना गया और कांठो में पोस्टिंग हुई तथा अब जम्मू कश्मीर बॉर्डर पर देश की रक्षा की कमान को संभाल रहे हैं तथा अभी और आगे भी देश की सेवा करेंगे। जयवीर यादव ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, आतंकवादी को मार गिराया। जिसके लिए उन्हें भारतीय सेना ने वीरता पदक प्रदान कर सम्मानित किया है।

जिलेभर में मनाया शहीदी दिवस

अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

शहीदों के बलिदान का ऋण कभी उतारा नहीं जा सकता : वधवा

हरिभूमि न्यूज » भिवानी

शहीदी दिवस पर देश अपने वीर शहीदों को नमन कर रहा है। भारत माता को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाने के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव सिंह ने भरी जवानी में हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया था, ऐसे वीर शहीदों को जितना नमन किया जाए, वह कम है। शहीदों के बलिदान का ऋण हम



कभी उतार तो नहीं सकते लेकिन उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि जरूर दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने

रहेगी। ये बात भाजपा नेता रीतिक वधवा ने अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए कही। शहीद भगत सिंह ब्रिगेड के प्रभारी सुनील चौहान ने कहा कि 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव सिंह अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़ गए, उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर रमेश चौधरी, कुलदीप तंवर, रोशन तिगड़ाना, संजय अजय चौहान ने सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भगतसिंह, राजगुरु तथा सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। एसयूसीआई (कन्सुल्टेंट) की जिला कमेटी ने पार्टी ऑफिस दिनेद गेट प्रजापति धर्मशाला में शहीद - ए - आ ज म भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव के 94वें शहादत दिवस को बड़ी श्रद्धा-सम्मान के साथ लोकतंत्र बचाओ दिवस के रूप में मनाया, उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए। पार्टी के जिला सचिव रोहतास सैनी ने कहा कि 23 मार्च 1931 को ब्रिटिश साम्राज्यवाद ने देश की जनता के सच्चे सपूतों, क्रांतिकारी योद्धाओं और समझौताहीन संघर्ष की धारा के अगुआ भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को फांसी के तख्ते पर लटका दिया था। भगतसिंह एवं उनके दल हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्यवाद को देश से मगाने और देश को आजाद कराने के साथ-साथ देश में शोषण मुक्त समाजवादी व्यवस्था स्थापित करना था। 15 अगस्त 1947 को समझौते से आजादी तो मिल गई, लेकिन राजसत्ता पर अंग्रेज साम्राज्यवादियों की जगह भारतीय पूंजीपति काबिज हो गए।



शहीदों के सपने साकार करने को उनके दिखाए मार्ग पर चलने की जरूरत : गोदारा

भिवानी। देश के वीर सपूतों ने देश की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए बहुत कुछ किया तथा सर्वोच्च बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटे, हमें उनकी कुर्बानी को याद रखना चाहिए। विशेषकर युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर देश के साथ खड़े हो, ताकि देश दुनिया में सबसे ताकतवर बनाने का शहीदों का स्वप्न पूरा हो सके, ये बात माकिसू के संस्थापक सदस्य एवं ग्राम स्वराज किसान मोर्चा के प्रदेश महासचिव महेंद्रसिंह गोदारा ने शनिवार को शहीदी दिवस पर खावा में निर्माणधीन किसान भवन व शहीद किसान मंगलसिंह खरेटा की समाधि स्थल पर कही।

कैमरे की नजर में शहीदी दिवस



पौधरोपण करते बदलाव क्लेफ्टर सोसाइटी के प्रधान व अन्य।

ईशरवाल में ग्रामीणों ने शहीद भगतसिंह को दी श्रद्धांजलि

शहीदों के जीवन से युवा लें प्रेरणा : कोशिक



आप सभी क्षेत्रवासियों को



होली



की हार्दिक शुभकामनाएं



अनिरुद्ध चौधरी

पूर्व कोषाध्यक्ष, बी.सी.सी. आई



जननायक जनता पार्टी जिंदाबाद



रंगों के त्योहार होली की हार्दिक शुभकामनाएं

"होली मिलन समारोह"

कार्यक्रम

दिनांक : 24 मार्च 2024

समय : प्रातः 10 : 00 बजे

स्थान : C.L. फार्म हाउस, रेवाड़ी रोड, नारनौल

दिनांक : 26 मार्च 2024

समय : प्रातः 10 : 00 बजे

स्थान : देहाती गठ लोहार रोड दादरी

दिनांक : 26 मार्च 2024

समय : दोपहर 01 : 00 बजे

स्थान : देवीलाल सदन भिवानी

आप सभी से सादर प्रार्थना है कि भाईचारे के इन समारोह में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं व बाबा का प्रसाद ग्रहण कर अनुगृहीत करें।

चुनाव चिह्न चाबी

राव बहादुर सिंह

चेयरमैन यदुवंशी ग्रुप एवं पूर्व विधायक नांगल चौधरी जननायक जनता पार्टी



तन रंग लें-मन रंग लें

जीवन सतरंगी कर लें

जीवन में अगर रंग न हों तो सब कितना बेरंग-नीरस लगेगा। जीवन में रंगों की महत्ता को रेखांकित करने के लिए ही हमारे देश-समाज में पौराणिक काल से ही रंग पर्व मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह पर्व हमें प्रेम, स्नेह और अपनेपन के रंग में रंग देता है। जीवन को सतरंगी बनाता है।

पूड़ी, कचौड़ी और दही-बड़े का स्वाद अपनी रसोई की ओर ले जाता है तो गुलाल उड़ाने की मस्ती आंगन में खींच लाती है। रिशतों पर रीझने और अंजान लोगों को भी रंग डालने की रीत का मानवीय मेल इसे साझी संस्कृति का पर्व बनाता है। झांझ-मंजीरे और ढोलक की थाप के साथ गुंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

साथ गुंजते स्थानीय गीतों से इस पर्व पर लोक का स्वर मुखर होता है। हंसाने-हंसाने नाचने-गाने की एक अनगढ़ थिरकन मन मोहती है। होली पर ब्रजभूमि की गोपियां भी याद आती हैं और राधा-कृष्ण भी। होली पर अबीर उड़ाते रघुवीर भी स्मरण हो आते हैं। गहरे रंगों से रंगे-पुते चेहरों का आपसी मेल-जोल मानवीय संवेदनाओं को उजला बनाता है। आदिम उल्लास का यह पर्व असल में आत्मीय जुड़ाव की अनौपचारिक खनक साथ लाता है। गांव की चौपाल से जुड़ी स्मृतियां आज महानगरों में बसी बड़ी हुई पीढ़ी के मन में दस्तक देने लगती हैं।

थिरकन है। कहीं कृष्ण भक्ति के रस में डूबे लोग तो कहीं अपने आराध्य के चरणों में गुलाल लगाने की परंपरा। कहीं कानों से टकराती चंग की थाप की मादकता तो कहीं टपकता महुआ। एक तरफ खेतों में पकती गेहूं की बालियां तो दूसरी तरफ बौर से लदकर झुक आए आमों के पेड़। पूरी प्रकृति इस उत्सवीय छटा को जीती नजर आती है। वहीं होली के इस पर्व पर इंसानों के भाव-चाव भी बहुत मुखर होते हैं। कहीं कोई औपचारिकता नहीं। दिखता है तो बस अपनेपन से भरा राग-रंग और सामुदायिक जुड़ाव की धुन। तभी तो होली आध्यात्मिक-सामाजिक भावों से जुड़ी खुशियों को जीते हुए उदारता और सहिष्णुता सिखाने वाला उत्सव है। हर उम्र, हर समुदाय के लोगों को ऊर्जावान और जीवंत बने रहने का संदेश देता है। इसलिए तो जीवन को सरस-सुंदर बनाने वाला यह रंगपर्व, भारतीय संस्कृति की सबसे प्यारी उत्सवीय परंपराओं में से एक है।



तो आइए इस रंगोत्सव पर एक बार फिर हम सब प्रेम और अपनेपन के रंगों से एक-दूसरे को सराबोर कर लें, जीवन को इंद्रधनुषी रंगों से सजा लें। *

परंपरा की अनौपचारिक खनक

देश के हर हिस्से में फाग की मस्ती और हंसी-ठिठोली विशेष रंग लिए होती है। यह धमक मन की

होली के दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे

रंगों के संग खेलती, एक नवल-सी आस।
मन में पलने लग गया, फिर नैरिल विश्वास।।
कुंजग, क्यारिन रौनकें, अदसादों का अंत।
अनुरागी की बात क्या, तोड़ रहे तप संत।।
बौराया-सा लग रहा, देखो तो मधुमास।
प्रीति-प्रणय के भाव का, है हर दिल में वास।।
भौती लगे शीतल हवा, मौसम के प्रतिमान।
अधरों पर पलने लगा, ठाई आरध्र गान।।
करते मंगलकामना, आकर रंग-अबीर।
दे भी चंचल हो गए, जो थे नित गंगीर।।



सुदृढ़ नहीं रह पाए नहीं, अनुशासन के बंध।
अभिसारों ने है रयी, योद्धी-नई सुगंध।।
फागुन की अठरौलियां, नयनों की है मार।
बदला-बदला लग रहा, देखो यह संसार।।
कदम-कदम से मिल रहे, हाथ गह रहे हाथ।
पर्वों को तो मिल रहा, धर्म, नीति का साथ।।

होली पर हम सभी होलिका दहन करते हैं, अगले दिन उमंग-उल्लास के साथ रंग खेलते हैं। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है, जब हम सब इस पर्व के भावार्थ को आत्मसात करें।

होली का भावार्थ करें आत्मसात



जिस बालक को खाना चाहे खा सके। कथा के अनुसार, वरदान देते समय भगवान महादेव ने यह शर्त लगा दी कि वर्ष में केवल होली के एक दिन यह वरदान फलीभूत नहीं होगा और उस दिन जो भी बालक वीभत्स आचरण करते,



निरलज्जातपूर्वक फिरते पाए जाएंगे, उन्हें वह नहीं खा सकेगा। कहा जाता है कि उस राक्षसी से बचने के लिए तरह-तरह के वीभत्स स्वंग रचने की परंपरा इस त्योहार से ही बनी। एक और मान्यता के अनुसार इसी दिन के लिए महर्षि वशिष्ठ जी ने

सब मनुष्यों के लिए अभयदान मांगा था, ताकि वे निःशंक होकर इस दिन हंस-खेल सकें। इसी प्रकार भविष्य पुराण में नारद जी ने राजा युधिष्ठिर को होली के संबंध में एक कथा सुनाई, वह इस प्रकार है, नारद जी बोले, 'हे नाराधिप! फाल्गुन की पूर्णिमा को सब मनुष्यों के लिए अभय दान देना चाहिए, जिससे समस्त प्रजा भय-रहित होकर हंसे और क्रीड़ा करें। डंडा और लाठी लेकर बालक शूरवीरों की तरह गांव के बाहर जाकर होली के लिए लकड़ी और कंदों का संचय करें। उस होलिका-दहन, हास-परिहास और मंत्र उच्चारण से पापात्मा राक्षसी नष्ट हो जाती है।' प्रतीकों का समझें भावार्थ: विभिन्न पौराणिक कथाओं से बुद्धिमान लोग समझ सकते हैं कि इसका शब्दार्थ लेना युक्ति-संगत नहीं है। बल्कि भावार्थ अथवा लक्षणात् लेना ही विवेक-सम्मत है क्योंकि केवल लकड़ी और कंदों के दहन से तो सभी अनिष्टों का नाश हो नहीं सकता, न ही कभी ऐसा हुआ है। वास्तव में तो लकड़ी और कंदे, मनुष्य के स्वभाव और उसके कर्मों में जो दुख देने

वाली आदतें हैं, जो कटुता, शुष्कता, क्रूरता तथा विकार रूपी झाड़-झंखाड़ हैं, उनके प्रतीक हैं और अग्नि 'योगाग्नि' का प्रतीक है। अतः बुरे संस्कारों, नास्तिकता तथा अभिमान रूप होलिका इत्यादि को परमात्मा रूप दिव्य अग्नि की पाप-दह शक्ति में होम कर देना या योगाग्नि में भस्म कर देना ही 'होलिका-दहन' है। इससे मनुष्य के मन में हर्ष और आह्लाद होना स्वाभाविक है, इसलिए यह हास-परिहास का त्योहार माना गया है। 'अभय दान' देने का अर्थ भी यही है कि हम हिंसा, क्रोध, द्वेष इत्यादि से बर्षाभूत होकर व्यवहार न करें, जिससे कि हमसे किसी को भय हो। सोचने की बात है कि लकड़ी और कंदों को जलाने से तो 'पापात्मा राक्षसी' का नाश नहीं होगा न? क्योंकि 'पापात्मा राक्षसी' तो हमारे मन में बैठी हुई आसुरी वृत्तियां तथा पापजनक कर्मों की ही सूचिका है। अतः हम ज्ञान-रंग से एक-दूसरे को रंग कर, मन के कुभावों तथा कुसंस्कारों का कचरा दग्ध कर दें- यही होली और होलिकोत्सव का वास्तविक रहस्य है, प्रेरणा है। *

आत्मप्रेरणा

राजयोगी बीके निकुंज जी

भारतवर्ष में जितने भी त्योहार-पर्व मनाए जाते हैं, उन सभी में से होली का रंगोत्सव-मंगलोत्सव विशिष्ट और विलक्षण है। रस, रंग से सराबोर यह पर्व आंतरिक उल्लास को उभारने वाला एक सांस्कृतिक पर्व भी है। सभी मनाते हैं प्रेम से: इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे देश के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं संप्रदाय के लोग बिना किसी भेदभाव के बड़े ही उत्साह और आनंद के साथ मनाते हैं। रंगों का यह पर्व प्रकृति से मानव को एकाकार कर तादात्म्य स्थापित कर देता है एवं जीवन को उल्लास के साथ जीने की रीति-नीति के लिए प्रेरित भी करता है। आत्मशुद्धि का अवसर: हिंदू संस्कृति में अनावश्यक और हानिकारक वस्तुओं को हटा देने और मिटा देने को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और इसी दृष्टिकोण को क्रियात्मक रूप देने के लिए होली का त्योहार बनाया गया है। अतः होली के त्योहार का छिपा हुआ संदेश यही है कि हम अपनी भीतरी और बाहरी गंदगी को ढूँढ़-ढूँढ़ कर साफ करें और चतुर्मुखी पवित्रता की स्थापना करें। मानसिक, सामाजिक, राजनैतिक विकृत विकारों के कंकट जो हमारे रास्ते में बिछे हुए हैं, उन्हें सब मिल-जुल कर खोजें और उनको आग में भस्म कर उत्सव मनाएं। पौराणिक संदर्भ: पौराणिक दृष्टि से यह त्योहार कब आरंभ हुआ, इसके बारे में विभिन्न मत-मतांतर हैं। इस पर्व से अनेक कहानियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है भक्त प्रह्लाद की। इसके अनुसार हरिण्यकश्यप की बहन अर्थात् प्रह्लाद की बुआ, प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी थी, प्रतिवर्ष 'होलिका' नाम से आज तक जलाई जाती है। भविष्य पुराण के अनुसार टुंठला नामक राक्षसी के द्वारा शिव-पार्वती से यह वरदान तपश्चर्या द्वारा प्राप्त किया गया था कि वह सुर-असुर नर-नाग किसी से न मारी जा सके और

हास्य गजल / सूर्य कुमार पांडेय

क्या करें



उम्र ने यह की है साजिश, क्या करें?
हो गए हैं गाल किशमिश, क्या करें?
ऐसे किशमिश होने का क्या फायदा,
जब उठें हम कर रहे 'मिस', क्या करें?
अकड़ बाँटी में है, जाती ही नहीं,
कह रही वह, करिए वरिंश, क्या करें?
मेन ऑफिस के ही नखरे इतने हैं,
खोल कर इक ब्रांच ऑफिस, क्या करें?
एक से ब्रेकअप, फिर दूजे से तलाक,
जानूँ, तू भी निकली सेल्फिश, क्या करें?
अपने घर का है अलग ही संविधान,
कर रहे हम उनकी मालिश, क्या करें?

हास्य व्यंग्य / शरद उपाध्याय

प्रि

ये, अब मन बिल्कुल बदल गया है। होली की नायिकाएं अब फीकी पड़ गई हैं। बस बार-बार फेसबुक पर चिपका हुआ तुम्हारा गुलाबी चेहरा याद आ रहा है। होली आ चुकी है। चारों ओर ही रंग बिखरा पड़ा है। कल्पनाएं हिलोरे लें रही हैं। फेसबुक पर तुम्हारे टीपकर लिखे फाग पर 'लाइक' के साथ 'कमेंट' भी कर चुका हूँ। तुम 'ऑफलाइन' हो, पर बार-बार दूसरों की वॉल पर 'कमेंट' की पिचकारियां फेंकती फिर रही हो, यह ठीक नहीं है। यह हमारे शाश्वत प्रेम के खिलाफ है। इससे न जाने कितने रंग भरे गुब्बारे मेरे सीने पर फूटने लगे हैं। तुम्हारे लिए ही एक पुराना 'रंगीन' फोटो, जिसमें बीवी भी नहीं पहचान पाती, फेसबुक पर चिपका रखा है। इसी के सहारे साल भर से हम रसिया गा रहे हैं। तुम्हारा जैसे ही सुंदर मुखड़ा देखते हैं, झट से लाइक कर देते हैं, और बिना पढ़े ही अच्छा सा कमेंट कर डालते हैं। अब इतने सुंदर चेहरे को देखकर भला कहाँ कुछ पढ़ने-लिखने का मन करता है। अब तुम भी जरा सोचो, इतने दिनों से 'ऑफलाइन' हो। अब होली के अवसर पर थोड़ा-सा डिस्काउंट तो दे दो, चंद पलों के लिए तो 'ऑनलाइन' हो जाओ। देखो, मैंने तुम्हारे लिए कितना त्याग किया है। लाख 'डिसलाइक' की स्थिति होने पर भी सैकड़ों-



फेसबुकिया नायिका के फाग



हजारों बार 'लाइक' किया। यही सोचकर कि अब कुछ तो तुम्हारी तरफ से अबीर उड़ेगा। कभी तो तुम मेरे साथ फाग गाओगी। अभी-अभी तुमने होली पर जो प्रेम का रसिया वॉल पर डाला है, दसवीं कक्षा की किताब से नकल करने के बाद भी अच्छा है। हालांकि उसमें मात्राओं की कई गलतियां हैं, पर कोई बात नहीं। ये सारी बातें रंगीन भावनाओं के कारण क्षम्य हैं। पर

लघुकथा / अशोक वाधवाणी

होली है ..!

आत्माराम मित्रों के साथ होली खेलने के लिए सुबह-सुबह सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर घर से निकले। चौराहे पर देखा, ढेर सारे बच्चे पिचकारी से एक-दूसरे को रंग रहे हैं। उन्हें वहाँ से गुजरते देखकर बच्चे ठिठक गए। इन बच्चों में एक बच्चा जो उम्र में

कुछ बड़ा था, बाकी बच्चों से बोला, 'अंकल को जाने दो। गलती से उन्हें रंग लग गया तो हमारी खैर नहीं।' आत्माराम ने जिज्ञासावश एक बच्चे से इसका कारण पूछा तो उसने बताया, 'थोड़ी देर पहले हमने एक बुजुर्ग पर पिचकारी से रंग डाल दिया था, वे आंगबबूला हो गए। हमको मारने के लिए पत्थर तक उठा लिया। हम सब डर कर भाग गए।' यह सुनकर आत्माराम बच्चों से बोले, 'मैं

एक बात सच-सच बताओ। ये जो तुमने 'स्टेटस', 'सिंगल' डाल रखा है, वो सच तो है ना? नहीं तो मैं बेकार ही कार्यात्मक फाग गाकर होली न निकाल दूँ। अब चारों ओर होली का गुलाल उड़ रहा है। मेरा मन भी कर रहा है कि तुम्हारे गोरे गालों पर थोड़ा सा अबीर मल दूँ। पर एक बात का डर लगता है, तुमने फेसबुक पर जो सुंदर फोटो डाल रखा है, वो तुम्हारा ही तो है ना? तुम्हारे इस सुंदर फोटो पर विश्वास करके ही होली को धूम को छोड़कर नेट पर बैठा हूँ। गुलाल प्लस पर तुमने फोटो की जगह 'फूल' डाल रखा है। कहीं तुम मुझे 'फूल' तो नहीं बना रही? एक्स पर भी तुम न जाने किनको 'फॉलो' करती नजर आती हो। अब ये बातें सोचता हूँ तो दिल बैठ जाता है। एक बार तुमने कमेंट लिखने में 'जेंडर-मिस्टेक' कर दी तब ऐसा लगा था कि कहीं तुम्हारी आईडी 'फेक' तो नहीं है। भगवान से यही प्रार्थना करता हूँ कि ऐसा नहीं हो। मेरा विश्वास है कि ऐसा नहीं होगा। इसीलिए तो बाहर उड़ती हुई गुलाल को छोड़कर मन की पिचकारी लिए 'ऑनलाइन' बैठा तुम्हारा इंटरजर कर रहा हूँ। ये 'ऑफलाइन' की लंबी अंधेरी रात कब खत्म होगी। बस आ भी जाओ। किसी बात का बुरा मत मानना। इस सूनने जीवन में होली का रंग तो बिखेर दो। मैं कब से नेट खोलकर बैठा हूँ। बस एक बार... तुम्हें होली की कसम! *

तो अपने दोस्तों के साथ रंग खेलने जा रहा था। अब शुक्रात्त तुम बच्चों से ही करुंगा। आत्माराम की बात सुनकर सारे बच्चे खुशी से नाच उठे। बच्चों ने 'होली है..!' कहकर उन्हें सर से पांव तक रंग दिया। आत्माराम भी बच्चा बनकर बच्चों की खुशी में शामिल होकर नाचने-गाने लगे। रास्ते से गुजरने वाले लोग बच्चों के साथ एक बुजुर्ग की इस तरह मस्ती देखकर रुक कर देखने लगे। वे सभी अर्चभित भाव से मंद-मंद मुस्करा रहे थे। *

उल्लासोत्सव

कुमार राधारमण

होली के पर्व में कुछ ऐसी विशिष्टताएँ हैं, जो इसे सबसे विलक्षण बनाती हैं। पूरे देश में अलग-अलग रूपों में मनाया जाने वाला यह पर्व हम सभी के जीवन में बहुत मायने रखता है।

रंग-उमंग-तरंग समेटे विलक्षण पर्व होली

जीवन के हजार रंग हैं। हमारे पर्व-त्योहार इन्हीं रंगीनियों को बनाए रखने के लिए हैं। तमाम रंगों में एक रंग ऐसा है, जिसमें सामूहिकता का बोध निहित है, और वह रंग है होली का। जीवन में जो भी उत्सव और उल्लास है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

पूरे देश में दिखती है छटा: फाल्गुन



आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला

पूर्णिमा का त्योहार होली, थोड़ी-बहुत भिन्नता के साथ देश भर में मनाई जाती है। ब्रज की लड्डुमार, फूल और गुलाल की होली के सप्ताह भर के आयोजन से हममें से अधिकतर परिचित हैं। उत्तराखंड में कुमाऊँ की होली के कई दिन पहले से गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की मंडली जमने लगती है। महाराष्ट्र में शिमगा की रात को हर दिन में लोग पूरन पोली बनाते हैं, सूखे गुलाल की होली खेलते हैं। कर्नाटक में सिरसी में, होली से पांच दिन पहले बेदरा वेशा लोकनृत्य होता है। तेलंगाना में होली 10 दिन पहले शुरू हो जाती है। पंजाब के आनंदपुर साहिब में होला मोहल्ला में सिख धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल-इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास

होती है। राजस्थान में उदयपुर की संगीतमय होली को देखने विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के शांति निकेतन की पारंपरिक अबीर होली की अलग खूबसूरती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम की होली देल जात्रा है, केवल वर्तमान के क्षण में ही है। हमारे सारे पर्व-त्योहार हमें वर्तमान में जीने का ही प्रयास हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम एक उत्सवधर्मी देश का हिस्सा हैं। मेल-जोल और सामाजिकता हमारे पारस्परिक संबंधों की नींव रही है। मेल-जोल की जैसी परंपरा होली में दिखती है, वैसी अन्यत्र नहीं।

कृषि से भी है संबंधित: यों तो होली कृषि का भी त्योहार है, क्योंकि फाल्गुन नई फसल के पकने का समय होता है। इसलिए, होलिका दहन में अग्निदेव को जी-गेहूँ अर्पित किया जाता है और नई फसल की बालियों को पकाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।



बंगाल की पारंपरिक अबीर होली

चलन रह गया है। एकाकी होती जीवनशैली के इस दौर में होली सामूहिकता का आमंत्रण है। होली हंसी के फव्वारों का महोत्सव है। होली पर अपने मन के उल्लास को खुलकर व्यक्त करना अच्छा है, बशर्ते उसमें अश्लीलता का फूहड़पन न हो। हमारी होली सभी के लिए सुरक्षित हो। हमारी होली में भी वही गुलाल धर्मावलंबी शक्ति प्रदर्शन करते हैं और रंग की जगह कलाबाजी, कुश्ती, मार्शल आर्ट आदि का प्रदर्शन करते हैं। मध्य प्रदेश में खासकर भोपाल-इंदौर में, होली के बजाय होली के अगले दिन की रंगपंचमी खास

